**लेखक का परिचय**

डॉ0 जी. एल. पाटीदार का जन्म 10 मार्च 1983 को राजस्थान प्रान्त के डूंगरपुर जिले की सागवाड़ा पञ्चायत के छोटे से गाँव ‘हड़माला’ में हुआ हैΙ गौ गोत्र, पाटीदार जाति एवं किसानवंश में माँ गंगा पाटीदार कि पावन कुक्षि से जन्में डॉ0 पाटीदार के पिताजी स्व0 रामेंग पाटीदार का बचपन में ही परलोक गमन हो गया थाΙ आपका जीवन बाल्यावस्था में कई कष्टों में पला-बढ़ाΙ स्कूली शिक्षा गाँव के आस-पास के विद्यालयों से प्राप्त करके, बी.ए., एम.ए (संस्कृत), एम.फिल्. संस्कृत (गोल्ड मेडलिस्ट) एवं पी.एचडी कि उपाधि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर से अर्जित की Ι साथ ही नेट (जे.आर.एफ.) व सेट कि पात्रता भी प्राप्त कीΙ वर्तमान में संस्कृत साहित्यशास्त्र में विशेष रूचि रखने वाले आप मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में सहायकाचार्य के पद पर कार्यरत हैΙ तेरह वर्षों के अध्यापन अनुभव के साथ आपके दो ग्रन्थ प्रकाशित है- **गुर्जर भूकम्प शतकम् एक अनुशीलन** एवं **डॉ0 नारायणशास्त्री काङ्कर व्यक्तित्व एवं कृतित्व** Ι आपकी तीन सम्पादित पुस्तकें है- **संस्कृत वाङ्मयामृत, संस्कृत वाङ्मयालोक** और **संस्कृत वाङ्मयादर्श** Ι इस प्रकार पाँच पुस्तकों के लेखक के रूप में आपका कुशल अनुभव हैΙ आपके 70 से अधिक शोध-पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्टीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए है तथा 60 से अधिक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में अपने शोध-पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया हैΙ आठ शोधार्थियों ने आप के निर्देशन में पीएचडी की उपाधि अर्जित की हैΙ राजस्थान सरकार के संस्कृत निदेशालय द्वारा वर्ष 2022 में सर्वश्रेष्ठ संस्कृत पुरस्कार “युवप्रतिभा पुरस्कार” से सम्मानित किया है तथा वर्तमान में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, राष्ट्रपति निवास, शिमला के एसोसिएट फेलो भी हैΙ आप संस्कृत के प्रचार प्रसार की दिशा में सहरानीय एवं समर्पित कार्य कर हुए माँ भारती की सेवा कर रहें हैΙ

सम्प्रति

डॉ0 जी. एल. पाटीदार, सहायकाचार्य

संस्कृत विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)-313001

Email- patidar2043@gmail.com